

राजनीतिक व्यवस्था विश्लेषण उपग्रह

राजनीतिक व्यवस्था क्या है? इसे सर्वप्रथम 'व्यवस्था' शब्द अर्थ समझना चाहिए। यह शब्द शैतिक विज्ञानों के अंतर्गत व्यवस्था का अर्थ सुपरिभाषित अंतर्क्रियाओं के समूह से है जिसकी सीमाएँ निश्चित की जा सकें। शब्दिक परिभाषा के अनुसार 'व्यवस्था' का अर्थ है - "जटिल समन्वित वस्तुओं का समूह, विधि संगठन, पद्धति के निश्चित सिद्धांत तथा वर्गीकरण का सिद्धांत।"

डेविड इस्टन ने वर्ष 1953 में प्रकाशित - "The Political System - A Journey into the state of Political Science" में राजनीति व्यवस्था सिद्धांत निर्माण का विचार प्रस्तुत किया।

डेविड इस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए, इसे 'सूत्रों के अधिकारिक आवंटन' के रूप में व्यक्त किया।

डेविड इस्टन के अनुसार 'राजनीतिक व्यवस्था' का विश्लेषण 'आगत एवं निर्गत' के माध्यम से किया।

डेविड इस्टन के राजनीतिक व्यवस्था के विश्लेषण में अत्यधिक गति पाई जाती है और व्यवस्था सदैव चलती रहती है। इसे इस्टन ने पुनर्निवेशन के माध्यम से गतिशीलता प्रदान की।

आगत :- इस्टन के अनुसार, 'समाज या पर्यावरण से आने वाली मांग एवं समर्थन आगत है।' उनके अनुसार, मांग के निम्नलिखित प्रकार होते हैं :-

- 1) सेवाओं एवं वस्तुओं के वितरण की मांग।
- 2) व्यक्तियों के व्यवहारों के नियंत्रण की मांग।

- ३) राजनीतिक व्यवस्था में सहभागिता की मांग।
- ४) संचार एवं सूचना का मांग।

● समर्थन के निम्नलिखित प्रकार होते हैं।

- १) शीतक समर्थन।
- २) विधि की अपापालन द्वारा समर्थन।
- ३) राजनीतिक क्रियाओं में सहभागिता द्वारा समर्थन।
- ४) सांकेतिक रूप में समर्थन।

● निर्गत :-

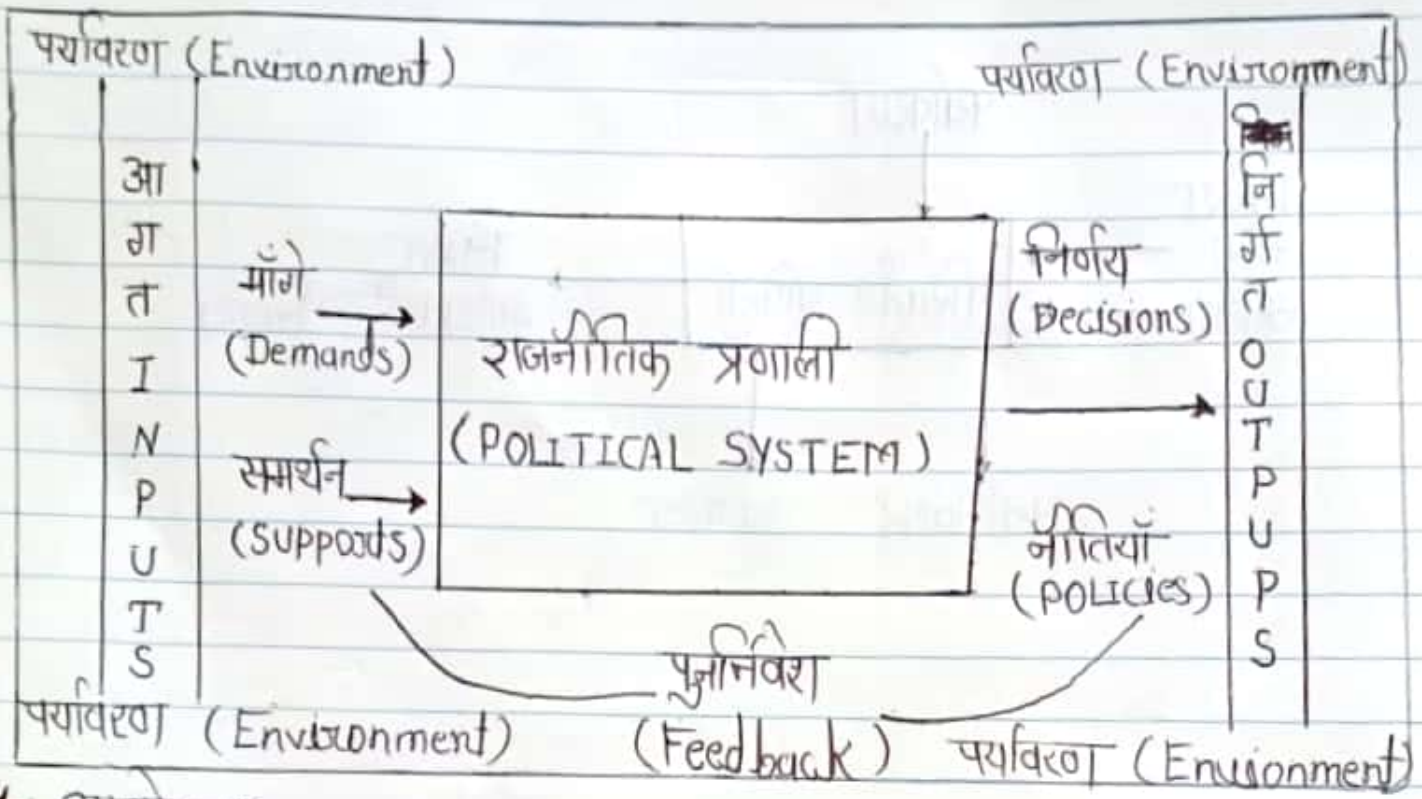
निर्गत का अर्थ है 'राजनीतिक व्यवस्था के निर्णयों एवं क्रियाओं से है'।
 पुनर्निवेश :- पुनर्निवेश के निम्नलिखित कार्य होते हैं :-

- १) राजनीतिक व्यवस्था द्वारा पर्यावरण से राजनीतिक सूचना प्राप्त की जाती है।
- २) जिनके माध्यम से राजनीतिक व्यवस्था अपने कार्यों के लिए समर्थन प्राप्त करती है।
- ३) व्यवस्था के प्रति संभावित खतरों को भी टाल देती है।
- ४) पुनर्निवेश के माध्यम से राजनीतिक व्यवस्था, सविष्य की मांगों को भी प्राप्त करती है।

● गेट कीपिंग (नियंत्रण व्यवस्था)

- डेविड इस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था को अतिभार से बचाने के लिए 'गेट कीपिंग' की व्यवस्था दी है।
- डेविड इस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था को अतिभार से बचाए रखने के लिए निम्नलिखित उपायों का वर्णन किया :-

1. राजनीतिक व्यवस्था से अनिश्चित और बेरोकटोक मांगे प्रवेश न कर सके!
2. राजनीतिक व्यवस्था द्वारा कुछ ऐसे सांस्कृतिक एवं सामाजिक मानकों का निर्माण किया जाता है, जिससे प्रतिकूल मांगों को अस्वीकृत कर दिया जाता है!



* आलोचना :-

- आलोचकों के अनुसार, इस्टन ने अपने अध्ययन में यथार्थतावाद पर ध्यान प्रदान किया। इनका यह मॉडल विकासशील देशों और साम्यवादी देशों में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा सकता।
- इस्टन ने अपने अध्ययन में शक्ति के अध्ययन की उपेक्षा की। इस्टन परिवेश की बात करते हैं। लेकिन परिवेश क्या है? परिभाषित नहीं किया।
- इस्टन द्वारा प्रस्तुत राजनीति विज्ञान की परिभाषा, 'राजनीति विज्ञान, मूल्यों का आधिकारिक आवंटन है।' अपूर्ण है। क्योंकि राजनीतिक व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं द्वारा आवंटित मूल्यों से उन्होंने स्पष्ट रूप से संदे नहीं किया।